भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1875
दिनांक 03.03.2020

कृषि शिक्षा हेतु कार्य-योजना

1875. श्री नारणभाई काछड़िया:
श्री परबतभाई सवाभाई पटेल:
श्री प्रदीप कुमार सिंह
श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोर:
श्रीमती गीताबेन वी. राठवा:

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या कृषि शिक्षा (2017-2020) के अंतर्गत तीन वर्षीय कार्य-योजना अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल रही है;

(ख) किन क्षेत्रों में किसानों को शिक्षित किया जा रहा है;

(ग) सम्पूर्ण देश में लाभान्वित हो रहे किसानों की संख्या का ब्यौरा क्या है; और

(घ) उक्त योजना किस हद तक किसानों के लिए लाभदायक रही है?

उत्तर

कृषि और किसान कल्याण मंत्री
(श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क) जी, हां। वर्ष 2017-20 के लिए निर्धारित लक्ष्य प्राप्त कर लिए गए हैं। अनुमोदित लक्ष्यों की एक सूची संलग्न है **(अनुबंध)**।

(ख) से (घ): भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (भाकृअप) ने देश भर में जिला स्तर पर 717 कृषि विज्ञान केन्द्रों (केवीके) का एक नेटवर्क स्थापित किया है जो प्रौद्योगिकी के मूल्यांकन तथा इसके अनुप्रयोग हेतु प्रदर्शन और क्षमता विकास के लिए अधिदेशित है। कृषि विज्ञान केन्द्र, किसानों एवं कृषिरत महिलाओं, ग्रामीण युवाओं तथा सेवारत विस्तार कार्मिकों को लाभान्वित करने के लिए प्रदर्शनों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं कौशल विकास कार्यक्रमों का आयोजन करते हैं।

वर्ष 2018-19 के दौरान, प्रौद्योगिकियों के मूल्यांकन हेतु 42,361 ऑन-फार्म ट्रायल (ओएफटी) तथा किसानों के बीच जागरूकता उत्पन्न करने के लिए उन्नत किस्मों, आधुनिक प्रौद्योगिकियों एवं कृषि क्रियाओं की क्षमताओं को दर्शाने के लिए किसान के खेतों पर 2,74,736 अग्रपंक्ति प्रदर्शनों (एफएलडी) का आयोजन किया गया। आधुनिक कृषि-प्रौद्योगिकियों के संबंध में ज्ञान एवं कौशल को अद्यतन बनाने के लिए विभिन्न प्रौद्योगिकियों पर 47,000 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिससे 13.51 लाख किसानों एवं कृषिरत महिलाओं को लाभ पहुंचा। विभिन्न विस्तार गतिविधियों में 139.67 लाख किसानों ने प्रतिभागिता की। इसके अतिरिक्त, 1.77 लाख क्विंटल फसलों की किस्मों के बीजों, 365.53 लाख फलों, सब्जियों, कृषि वानिकी आदि की रोपण सामग्रियों और 154.91 लाख पशुधन विभेदों एवं फिंगरलिंग्स का उत्पादन किया गया और किसानों के बीच उनका वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त, मृदा, जल, पादप, खादों के 8.33 लाख नमूनों की जांच की गई, तथा किसानों को 612.95 लाख मोबाइल कृषि-एडवाइजरी उपलब्ध कराई गई।

''पंडित दीनदयाल उपाध्याय उन्नत कृषि शिक्षा योजना'', जिसे वर्ष 2016-17 में ''उन्नत भारत अभियान'' के तहत आरंभ किया गया था, के अंतर्गत 100 किसान प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना की गई ताकि जैविक कृषि/राष्ट्रीय कृषि/ग्रामीण आर्थिकी/ टिकाऊ कृषि के क्षेत्र में पेशेवर सहायता के साथ राष्ट्रीय आवश्यकताओं के सुसंगत, ग्रामीण स्तर पर कुशल मानव सहायता का निर्माण किया जा सके और उसे भारत के ग्रामीण क्षेत्र को उपलब्ध कराया जा सके तथा गांव स्तर पर उन्नत भारत अभियान की अन्य गतिविधियों का विस्तार किया जा सके। इस योजना के तहत 5268 किसानों को प्रशिक्षण दिया गया। उपर्युक्त योजनाओं के माध्यम से प्रसारित सूचना/ज्ञान से किसानों को बहुत अधिक लाभ पहुंचा है।

****

अनुबंध

{लोक सभा के दिनांक 03.03.2020 के अतारांकित प्रश्न सं0 1875 का भाग (क)}

तीन वर्षीय कार्य योजना (2017-2020) "भारत में उच्च कृषि शिक्षा का सशक्तिकरण एवं विकास" के तहत मापने योग्य एवं निगरानीयोग्य लक्ष्य:

क्र.सं.	विशिष्ट लक्ष्य संबंधी मद	बेस लाइन (XII योजना)	तीन वर्षों के लिए लक्ष्य (2017-2020)
1	**कृषि विश्वविद्यालयों का सशक्तिकरण एवं विकास**		
1.1	उत्कृष्टता के प्रमुख क्षेत्रों का विकास/ सशक्तिकरण	32	28
1.2	हॉस्टल	26	47
1.3	सभागार	3	3
1.4	शैक्षणिक म्यूजियम	-	5
1.5	परीक्षा हॉल		20
1.6	अनुभवजन्य लर्निंग मॉड्यूल	85	75
1.7	पुराने/ एतिहासिक महाविद्यालयों के लिए सहायता	-	5
2	**शिक्षा गुणवत्ता एवं सुधार**		
2.1	विश्वविद्यालयों का प्रत्यायन	59	15
2.2	योजना का मूल्यांकन/प्रभाव विश्लेषण	01	01
3	**मानव संसाधन विकास**		
3.1	भाकृअप अंतर्राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति	90	90
3.2	प्रगत संकाय प्रशिक्षण के केन्द्र (सीएएफटी)	40	40
3.3	यूजी/पीजी के लिए एनटीएस	12500	19860
3.4	स्टूडेंट रेड्डी	60000	81250
3.5	ग्रीष्मकालीन, शीतकालीन स्कूल एवं लघु अवधि पाठ्यक्रम	362	362
3.6	एमेरिटस वैज्ञानिक	100	300
3.7	राष्ट्रीय अध्येता/राष्ट्रीय प्रोफेसर	100	100
3.8	एमेरिटस प्रोफेसर	-	100
3.9	भाकृअप पीजी छात्रवृत्ति (पूर्व में जेआरएफ)	475	475
3.10	कनिष्ठ/वरिष्ठ अनुसंधान छात्रवृत्ति (जेआरएफ/एसआरएफ-पीजीएस) पूर्व में एसआरएफ-पीजीएस	202	202
3.11	पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्तियां	240	240
3.12	योग्यता-सह-साधन छात्रवृत्तियां	800	800
3.13	पोस्ट डॉक्टोरल अध्येतावृत्तियां (नई पहल)	-	25

******